

प्रेमक,

श्रीमती इन्दिरा आशीष,  
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्श,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,  
मा० उच्च न्यायालय,  
उत्तरांचल, नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 24 अगस्त, 2006

विषय: मा० उच्च न्यायालय, उत्तरांचल, नैनीताल परिसर में स्थित प्लाक-बी के वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत रंगाई-पुताई हेतु वित्तीय धर्म 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-545/UHC/Admn.B/Const./2005, दिनांक 4.3.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि मा० उच्च न्यायालय, उत्तरांचल, नैनीताल परिसर में स्थित प्लाक-बी के वार्षिक अनुरक्षण के अन्तर्गत रंगाई-पुताई हेतु रु० 1,34,000/- की लागत के आगणन का टी०ए०सी० से परीक्षणोपरान्त प्रशस्तकोय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रुपये 1,34,000/- (रुपये एक लाख चौतीस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने को भी स्वीकृति महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सतर्प प्रदान करते हैं :-

- (1) आगणन में उल्लिखित दरों का विवरलेख विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को, जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव में सी गई हों, को स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा ।
- (2) कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्य के विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जाय, तदोपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय ।
- (3) कार्य को स्वीकृत लागत में ही पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाय अन्यथा की स्थिति में लागत के पुनरोक्षण के लिए शासन द्वारा कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी ।
- (4) एकमुश्त प्राविधानों का विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्राप्त की जाय ।
- (5) निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रनलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय ।
- (6) आगणन में धनराशि जिन मदों हेतु स्वीकृत की गई है, उसी मद में व्यय की जाय । एक मद की राशि दूसरी मद में किसी भी दशा में व्यय न की जाय ।
- (7) कार्य कराने समय यह सुनिश्चित करले कि वार्षिक अनुरक्षण से सम्बन्धित नियमों एवं नार्मस से अधिक किसी भी स्थिति में व्यय न की जाय । इसका पूर्ण दायित्व कार्यकारी इकाई का होगा ।
- (8) जी०पी०डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का कार्यकारी इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा ।

- (9) व्यव से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज कन्स, भित्तव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेश एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय । कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सो/अभिशासी अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे ।
- (10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाय ।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 की आय व्ययक की अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014 न्याय प्रशासन-00 आयोजनेत्तर-102 उच्च न्यायालय-03 उच्च न्यायालय-00-29 अनुक्षण" के नामे डाला जायेगा ।
- 3 यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अश्वमर्कस संख्या 485/XXVI(5)/2006, दिनांक 18.8.06 में प्राप्त उनकी भूमिति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीया,

(इन्दिरा आशीष)

सचिव ।

संख्या 20 ए(1)/XXXVI(1)/2006 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों), अंबराय बिल्डिंग, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून ।
  2. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
  3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
  4. मुख्य अभियन्ता, स्तर-1 लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
  5. अभिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, नैनीताल ।
  6. नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन ।
- ✓ एन०आई०सी०/सम्बन्धित समीक्षा अधिकारी/गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

( आलोक कुमार वर्मा )

अपर सचिव ।